INDIA NON JUDICIAL

२००रु. | भारत | Rs 200

दो सौ रुपया TWO HUNDRED RUPEES

उ:

मनाके मकुन्दी लाल पुत्र श्री रामानन्द साकिन

डालीगंज शहर लखनऊ का हूं . . . .

१/३

जो कि मिनमुकिर ने हिस्सा एक बटा तीन जानिब दक्षिणा

मिनजुमला आराजी नम्बरी व तादादी व महदूदा ज़ैल वाके

मोहल्ला इरादत नगर थाना हसन गंज पार शहर

लखनऊ का जरिये बैनामा रजिस्ट्री शुदा दिनांक २२

दिसम्बर सन १९५४ ई० श्री नन्द लाल पुत्र राय साहब

ब[illegible]म चरन एडवोकेट से खरीद किया था जो मेरे

[illegible]

[illegible]त दखल मालकाना में मौजूद है और

[illegible]जस्ट्री [illegible]

[illegible]रेहन व बै व हिबा वगैरा नहीं है

४५०००

राजकीय कोषागार, लखनऊ

दिनांक १६-७-९८

मूल्य २००

जिला जनरल

नाम श्री कन्हैया लाल

पता श्री जगन्नाथ प्रसाद

विक्रेता ... स्टाम्प विक्रेता खजांची

56.00 2.25 ... 58.25

१६/७/९८

दस्तावेज द्वारा श्री मकुन्दीलाल
पुत्र रामानन्द पेशा व्यापार
निवासी डालीगंज ... लखनऊ
से ... तारीख १६. जुलाई १९९८
मध्य समय २ व ३ बजे ... पेश की

मकुन्दीलाल

Sub Registrar
Lucknow

तस्दीक दस्तावेज द्वारा ... रु 45000/- पैंतालीस हजार
कि ...
हमारे सामने दिये गये श्री मकुन्दीलाल
मुजहर ने ... सुनने व समझने मजमून दस्तावेज
द्वारा स्वीकार किया

जिनकी पहचान श्री रघुवरदयाल
पुत्र काबुलीदिद [illegible] पेशा ठेकेदारी
निवासी बाबूगंज
व श्री रघुनन्दनप्रसाद ... लोचनलाल
पेशा ठेकेदारी ... नाकाहिंडोला

Raghubar dayal

मकुन्दीलाल

Raghunandan

अंगूठे के चिन्ह ... मुकुन्दीलाल के ...
लिये गये है ...

75 RS.

पचत्तर रुपया

७५रु. भारत INDIA 75 Rs.

SEVENTY FIVE RUPEES

श्री अब मिनमुकिर अपनी खुशी व रजामन्दी से उसी

1/2

हिस्सा एक, बटा तीन जानिब दक्षिण मिनजुमला आराजी

तादादी व नम्बरी जैल मय तमामी हक व हकूक बिला

दोड़ किसी चीज व हक के बिलएवज मुबालिग

4500

चार हजार पाँच सौ रुपया कि आधा जिसके मुबालिग

2250

दो हजार दो सौ पचास रुपया होते हैं बदस्त

श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री पन्ना लाल साकिन

हाल मौ० हसन गंज शहर लखनऊ के बैकतई

किया और कुल ज़र समन नकद सामने सब

रजिस्ट्रार साहब बहादुर खरीदार से वसूल

राजकोष कोषागार, लखनऊ उ० प्र०

दिनांक १६-७-९८

मूल्य ७५/-

किस्म जनरल

नाम [illegible]

द्वारा [illegible] प्रसाद

प्रधान खजांची विक्रेता

सहायक सरकारी खजांची

१६/७/९८

उ:

पाकर कब्जा व दख्ल मालिकाना जायदाद मुबैया पर
आज की तारीख से खरीदार का करा दिया अब
मेरा और मेरे वारसान का कोई दावा व हक़
निस्बत जायदाद व ज़र समन के खरीदार से
बाकी नहीं रहा अगर कोई दावा करे तो वह
नाजायज़ होवे अगर बदावदारी व हक़दारी किसी
शख्स कि जायदाद मुबैया कुल या जुज़ कब्जा
चार [illegible] से किसी वक्त में निकल जावे या किसी
का और कोई झगड़ा निकले तो ऐसी सूरत में

राजकोष कोषागार, लखनऊ उ० प्र०

दिनांक १६-७-६८

संख्या २०

किस्म जनरल

नाम श्री का० दयालाल

द्वारा श्री गजाधर प्रसाद

[illegible]
विक्रेता

सहायक सरकारी
खजान्ची

१५/७/६८

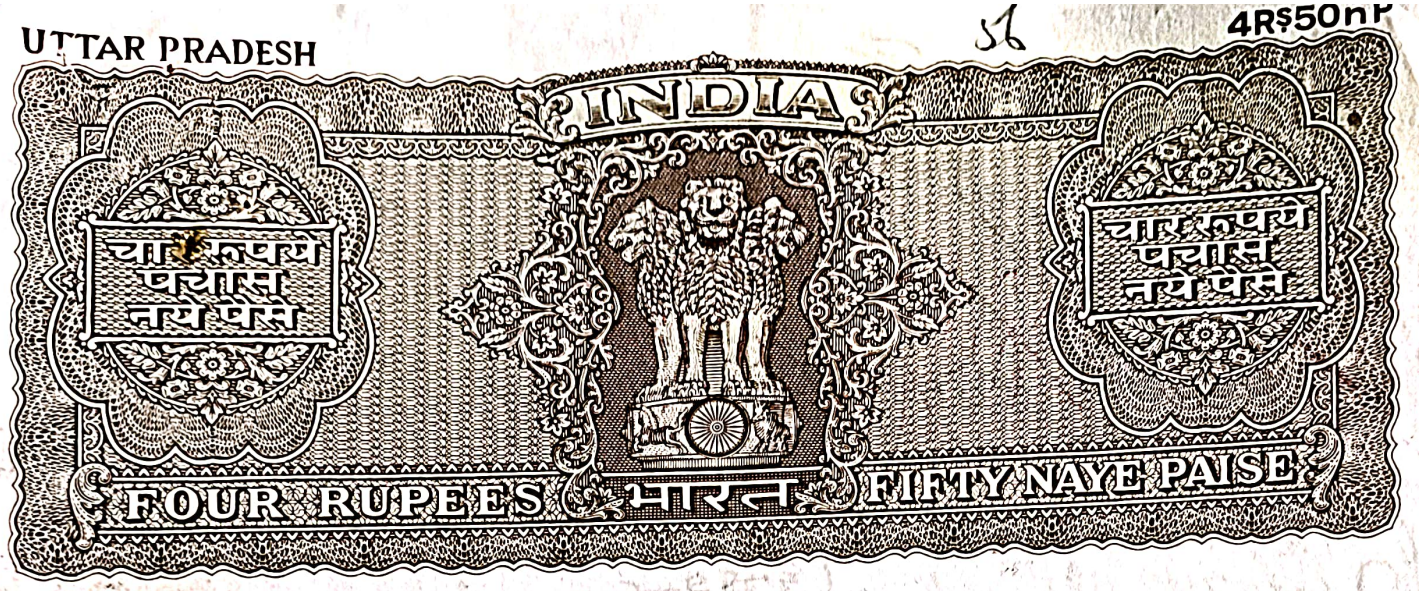

UTTAR PRADESH 56 4Rs50nP

INDIA

चार रुपये पचास नये पैसे

FOUR RUPEES भारत FIFTY NAYE PAISE

खरीदार को अख्तियार होगा कि अपना कुल ज़रसमन
मय हर्जा व नुकसान मुझसे व मेरे वारसान से व मेरी
दीगर हर किस्म की जायदाद मकूला व गैर मकूला से
जरये अदालत वसूल कर लेवे कोई उज़्र न होगा।
लिहाजा यह बैनामा लिख दिया कि सनद रहे और
वक्त जरूरत पर काम आवे।

सराहत आराजी जिसमें $\frac{१}{२}$ हिस्सा जानिब दोखरा
बय किया है।

नम्बर खसरा किश्तवार	रक़बा
याद	१५३-१-१५

चार सौ उन्नासी तेरह बिस्वा एक बिस्वान्सी पन्द्रह कचवान्सी

…लाल शर्मा

…/९८

१६-७-९८
२५२०
जंगल
श्री कन्हैया लाल
श्री गंगाधर प्रसाद

१६/७/९८

UTTAR PRADESH

INDIA

तीन रुपया

THREE RUPEES भारत THREE RUPEES

5

3RS

४८०

चार सौ अस्सी

१|४-१९-४

एक बीघा चार बिस्वा उन्नीस बिस्वान्सी

चार कचवान्सी

२

१|||३-०-१९

दो किता मीजान एक बीघा अठारह बिस्वा उन्नीस कचवान्सी

हदूद अर्बा

शरब = मकान अमजद व मकान यदुनन्दन वैद्य वगैरा।

पश्चिम = रास्ता।

दक्षिण = मसाजिद व मकान मिर्जा वारिस अलीबेग व मकान अजीज मोहम्मद।

उत्तर = मकानात ख्वाजा मो० हुसैन व मो० युसुफ व महताब व रियासत।

तारीख १६ जुलाई सन् १९६८ ई०

ब: शंकर दयाल श्रीवास्तव दुर्विजय गंज लखनऊ नं० १५)

कबूल

हो

१६-७-६८

(३)

जारल

श्री कन्हैयालाल

वि॰ जगन्नाथप्रसाद

ह॰

१६/७/६८

बही नं॰ १ जिल्द २१/४८ पृष्ठ २६/२८ नं॰ ५२८/५८ पर

२६-७-६८ को रजिस्ट्री की गई